B.A. 3rd Sem (Honours) Examination, 2020

Subject- HINDI

PAPER – CC- 7

(प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य)

TIME – 3 HRS **FULL MARKS – 60**

The Figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **छह** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए 6X5= 30

(क)"मेरी भव बाधा हरो राधा नागरी सोय/ जा तनकी झाई परै स्यामु हरित द्युति होय"।
(ख)"अबलों नसानी, अब न नसैहों/ राम- कृपा भव- निसा सिरानी , जागे फिरि न डसेहों।/ पायेऊ नाम चारु चिंतामणि, उर कर तें न खासेहों/ स्यामरूप सुचि रुचिर कसौटी, चित कंचनही कसेहों।/ परबस जानि हंस्यो इन इंद्रिन , निज बस हबै न हसैहों/ मन मधुकर पनके तुलसी रघुपति पद कमल बसैहो" ।
(ग)"गोकुल सबै गोपाल उदासी।/ जोग अंग साधत जो उधो , ते सब बसत ईसपुर काशी।/ जद्दपि हरि हम तजि अनाथ करि, तदपि रहती चरननी रस-रासी/ अपनी सीतलता नहिं छोड़त, जदपि है ससि राहु गरासी।/ का अपराध जोग लिखि पठावत, प्रेम भजन तजि करत उदासी।/ सूरदास ऐसी हों बिरहीन, मांगति मुक्त तजे गुनरसी"।
(घ)"संतन जात ना पूछो निर्गुणियाँ।/ साध ब्राहमन साध छत्तरी , साधे जाति बानियाँ।/ साधनमा छत्तीस कौम है , टेढ़ी तोर पुछनियाँ।/ साधे नाऊ साधे धोबी , साधे जाति है बरियाँ।/ साधनमा रैदास संत है, सुपच ऋषि सौ भंगिया।/ हिन्दू तुर्क दुई दीन बने हैं, कछू ना पहचानियाँ"।
(ड.)"राम नाम रस पिजै मनुआ , राम नाम रस पिजै।/ तज कुसंग सतसंग बैठ नीत , हरि चरचा सुण लिजै।/ काम क्रोध मद लोभ मोह कू, चित से बहाय दिजै।/ मीरा के प्रभु गिरधर नागर,ताहि के रँग में भीजे"।
(च)"मधुकर! ल्याए जोग संदेसों।/ भली स्याम कुसलात सुनाई , सुनतहि भयो अंदेसो।/ आस रही जिय कबहुँ मिलन की , तुम आवत ही नासी।/ जुवतिन क़हत जटा सिर बांधहु तौ मिलीहें अविनासी। / तुमको जिन गोकुल पठायो ते बसुदेव कुमार।/ सूर स्याम मनमोहन बिहरत ब्रज में नन्ददुलार"।

(छ)"अवधू माया तजि न जाई।/ गिरह तज के बस्तर बांधा , बस्तर तज के फेरी।/ काम तजे ते क्रोध न जाई, क्रोध तजे तें लोभा।/ लोभ तजे अहंकार न जाई, मान बढ़ाई सोभा।/ मन बैरागी माया त्यागी, शब्द में सूरत समाई।/ कहें कबीर सुनो भाई साधो, यह गम बिरले पाई"।
(ज)"जप माला छापे तिलक सर न एकौ कामू,/ मन कांचे नाचे बृथा साँचे रांचे रामू"।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए 3 x 10 = 30

(क) तुलसीदास की भक्ति- भावना पर विचार कीजिए।

(ख) समाज सुधारक के रूप में कबीर का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) गोपियों की विरह वेदना पर प्रकाश डालिए।

(घ) बिहारी की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ड.) कृष्ण- भक्ति शाखा के सशक्त कवयित्री के रूप में मीरा के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए ।